A-612

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVS-101

वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. वास्तुशास्त्र का विस्तृत परिचय देते हुए वास्तुशास्त्र के उद्भव पर शास्त्रोक्त दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

Q.2. वास्तुशास्त्र के प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों का परिचय दीजिए।

Q.3. वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूतों एंव प्राकृतिक शक्तियों के महत्व पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

Q.4. वास्तुशास्त्र में दिग्देश एंव काल के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Q.5. वास्तुशास्त्र में भूमिचयन के सिद्धान्तों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. वास्तुशास्त्र के विकासक्रम पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

Q.2. वास्तुशास्त्र के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए वर्तमान में वास्तुशास्त्र के स्वरूप पर टिप्पणी कीजिए।

Q.3. भूमि के प्रकारों पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

P.T.O.

Q.4. भूमि के आकारों का वर्णन करते हुए भूखण्ड के शुभाशुभ ढलानी पर शास्त्रोक्त विधि से समीक्षा कीजिए।

Q.5. वास्तुशास्त्र में वीथिविचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शुभाशुभ वीथियों का वर्णन कीजिए।

Q.6. प्रशस्त एंव निषिद्ध भूमि लक्षणों पर प्रकाश डालिये।

Q.7. दिक्साधन के स्वरूप एंव साधनविधि को प्रदर्शित कीजिए।

Q.8. भूखण्ड के विस्तार एंव कटाव पर शास्त्रोक्त विधि से चर्चा कीजिए।

****